सत्यमेव जयते

KUKI LEKHABUL
कुकि भाषा प्रवेशिका
KUKI PRIMER

CIIL-NCERT Primer Series

ई-पाठशाला

क्यूआर (QR) कोड से संबद्ध ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए उपयोगकर्ताओं के लिए चरणबद्ध मार्गदर्शिका

प्रत्येक अध्याय के पहले पृष्ठ पर स्थित कोड बॉक्स को क्विक रिस्पांस कोड – क्यूआर (QR) कोड कहते हैं। यह आपको अध्याय में दिए गए विषयों से संबंधित ई-सामग्री, जैसे ऑडियो, वीडियो, मल्टीमीडिया, पाठ्य-सामग्री आदि को प्राप्त करने में सहायता करेगा। पहला क्यूआर कोड संपूर्ण ई-पाठ्यपुस्तक प्राप्त करने के लिए है और प्रत्येक अध्याय में दिए गए क्यूआर कोड उस अध्याय से संबंधित ई-सामग्री प्राप्त करने में मदद करेंगे। यह प्रक्रिया आपको आनंदपूर्ण तरीके से सीखने में मदद करेगी।

अपने मोबाइल फ़ोन या टेबलेट द्वारा निम्नवत् चरणों का पालन कर और ई-पाठशाला के माध्यम से ई-सामग्री प्राप्त करें।

1. प्ले स्टोर से ई-पाठशाला स्कैनर एप इंस्टॉल करें और इसे खोलें
2. क्यूआर कोड स्कैनिंग विंडो को तैयार रखें
3. स्कैनर से क्यूआर कोड को स्कैन करें
4. लिंक को सिलेक्ट एवं क्लिक करें
5. उपलब्ध ई-सामग्री का प्रयोग करें

डेस्कटॉप या लैपटॉप पर ई-पाठशाला द्वारा ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे दिए गए चरणों का पालन करें– https://epathshala.nic.in/topics.php पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

दीक्षा

दीक्षा एप को गुगल प्लेस्टोर से डाउनलोड करें फिर नीचे दिए गए चरणों का पालन करें। **दीक्षा** का उपयोग करते हुए आप अपने स्मार्टफोन या टेबलेट से ई-सामग्री प्राप्त करें।

1. अपनी पसंदीदा भाषा का चयन करें
2. अपनी भूमिका चुनें–शिक्षक या विद्यार्थी
3. पहुँच प्रदान करें और एप को अनुमति दें
4. क्यूआर कोड को स्कैन करने के लिए टैप करें
5. कैमरा पाठ्यपुस्तक के क्यूआर कोड पर फोकस करें
6. क्लिक करके क्यूआर कोड से संबद्ध ई-सामग्री प्ले करें

डेस्कटॉप या लेपटॉप पर दीक्षा का उपयोग करते हुए ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे बताए गए चरणों का पालन करें– https://diksha.gov.in/resources पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

" जैसे हमारे जीवन को हमारी मां गढ़ती है, वैसे ही मातृभाषा भी हमारे जीवन को गढ़ती है। आजादी के 75 साल बाद भी कुछ लोग ऐसे मानसिक द्वन्द्व में जी रहे हैं, जिसके कारण उन्हें अपनी भाषा, अपने पहनावे, अपने खान-पान को लेकर एक संकोच होता है। जबकि विश्व में कहीं और ऐसा नहीं है। हमारी मातृभाषा है, हमें उसे गर्व के साथ बोलना चाहिए। और हमारा भारत तो भाषाओं के मामले में इतना समृद्ध है कि उसकी तुलना ही नहीं हो सकती। हमारी भाषाओं की सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक, कच्छ से कोहिमा तक सैकड़ों भाषाएं, हजारों बोलियाँ एक दूसरे से अलग लेकिन एक दूसरे में रची-बसी हुई हैं। भाषा अनेक पर भाव एक। सदियों से हमारी भाषाएं एक दूसरे से सीखते हुए खुद को परिष्कृत करती रही हैं। एक दूसरे का विकास कर रही हैं।"

श्री नरेंद्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री, भारत

(27 फरवरी, 2022; मन की बात कार्यक्रम में)

KUKI LEKHABUL

कुकी भाषा प्रवेशिका

KUKI PRIMER

भारतीय भाषा संस्थान
Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
Ph: 0821 2515820 (Director)
email: ada-ciilmys@gov.in

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
Ph: 011 2696 2580
email: dceta.ncert@nic.in

KUKI LEKHABUL

कुकी भाषा प्रवेशिका

KUKI PRIMER

A basal reader of Kuki alphabet and basic numerals for the kids of Balvatika/Anganwadi levels and adult literacy programmes through andragogy, prepared by Central Institute of Indian Languages (CIIL), Mysuru and National Council of Educational Research and Training (NCERT), New Delhi.

Editors
Dinesh Prasad Saklani
Shailendra Mohan
Aleendra Brahma
Nengcy Thomsong Gangte

ISBN: 978-81-970769-3-0

First Edition: March 9, 2024

Published by CIIL, Mysuru in collaboration with NCERT, New Delhi.

© CIIL & NCERT 2024
All rights reserved. No part of this primer may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted into any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying and recording or otherwise, without the prior permission of the publisher.

Cover Design: G. Yuvaraj
Cover Photo: Thangmang Thomsong, Mamang Chongloi, & Hentinlen Singson

Printed by CIIL, Mysuru and NCERT, New Delhi.

धर्मेन्द्र प्रधान
ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ
Dharmendra Pradhan

मंत्री
शिक्षा; कौशल विकास
और उद्यमशीलता
भारत सरकार
Minister
Education; Skill Development
& Entrepreneurship
Government of India

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

संदेश

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित भारत 2047 के संकल्प के मार्ग का प्रमुख अवयव भारतीय भाषाएँ हैं, जिनसे ज्ञान-विज्ञान एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुंच देश के समस्त बच्चों तक सुनिश्चित हो सकती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को स्कूल और उच्चतर शिक्षा के प्रत्येक स्तर के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता पर बल देती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफ़ारिशों के अनुरूप ही बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक की आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में शिक्षण कार्य को दृष्टिगत रखकर तैयार की गई है। अनेकानेक शोधों के माध्यम से भी यही निष्कर्ष निकाला गया है कि जब छात्रों को उनकी मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में अनुदेशन दिया जाता है तब उनका शिक्षण-अधिगम अपेक्षाकृत उत्तम होता है। इसीलिए भारत सरकार ने बाल वाटिका, आद्य साक्षरता तथा बुनियादी साक्षरता की शुरुआत की है। देश के विभिन्न भागों का दौरा करते हुए तथा वहाँ के शिक्षकों एवं बच्चों से बातचीत करते समय हमें इस बात का बोध हुआ कि भारत की विभिन्न भाषाओं तथा मातृभाषाओं में भाषा शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण पुस्तकों की आवश्यकता है।

अतः हमने एन.सी.ई.आर.टी तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु को देश की सभी भाषाओं तथा मातृभाषाओं में ऐसी प्रवेशिकाओं का निर्माण करने हेतु उत्प्रेरित किया जो न केवल वैज्ञानिक विधि से अक्षर-पहचान के साथ पढ़ना और लिखना सीखने में मदद करें, बल्कि बच्चों को वहाँ के सांस्कृतिक पहलुओं का ज्ञान भी करवाएँ। अपनी भाषा तथा संस्कृति का ज्ञान आत्मनिर्भरता तथा विकास की ओर पहला कदम होता है।

ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के अनुसार स्थानीय सामग्री के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए तैयार की गई हैं। इन प्रवेशिकाओं की मदद से बच्चे अपनी भाषाओं तथा मातृभाषाओं की ध्वनियों, वर्णों, शब्दों एवं वाक्य विन्यास के साथ-साथ संबंधित राज्य की राजभाषा/ओं तथा सभ्यता एवं संस्कृति का भी बुनियादी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। इन पहलों के माध्यम से हमारे बच्चे भारतीय ज्ञान-परम्परा की समृद्ध विरासत से भी परिचित होंगे। डिजिटल प्रारूप में ये सभी प्रवेशिकाएँ बच्चों, शिक्षकों तथा अभिभावकों को पूर्णतः निःशुल्क रूप से भी उपलब्ध होंगी।

इस अवसर पर मैं समिति के सदस्यों, विशेषज्ञों और भाषा शिक्षकों को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने इन प्रवेशिकाओं को तैयार करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ बच्चों, शिक्षकों तथा अभिभावकों के लिए बहुत उपयोगी साबित होंगी।

(धर्मेन्द्र प्रधान)

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा

स्वच्छ भारत

कौशल भारत, कुशल भारत

MOE - Room No. 301, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 001, Phone : 91-11-23782387, Fax : 91-11-23382365
MSDE - Room No. 516, 5th Floor, Shram Shakti Bhawan, Rafi Marg, New Delhi-110001, Phone : 91-11-23465810, Fax : 011-23465825
E-mail : minister.sm@gov.in, minister-msde@gov.in

प्राक्कथन

भाषा समाज का एक अभिन्न अंग है। भाषा संस्कृति का एक उपादान है, समुदाय की पहचान है और पीढ़ियों के लिए ज्ञान के संचरण का स्रोत भी है। भाषा सभ्यता के विकास को प्रेरित करती है और मानव को उच्चतर स्तर पर रूपांतरित करती है। यह तथ्य कि भारत एक बहुभाषिक देश है-एक ओर भारत की भाषिक विविधता को दर्शाता है तो दूसरी ओर यह भी बताता है कि कैसे यह एक सामाजिक विविधता है। साथ ही यह भी बताता है कि लगभग सभी भारतीय सही अर्थों में द्विभाषिक या बहुभाषिक हैं। हम जानते हैं कि भारत की 2011 की जनगणना में 121 भाषाओं और 270 मातृभाषाओं/बोलियों की सूची दी गई है। भारतीय संविधान के खंड XVII और 8वीं अनुसूची की 343 से 351 तक की धाराएँ देश की भाषाओं के मुद्दों पर हैं। बच्चों का सामाजिक एवं संज्ञानात्मक विकास भाषा के द्वारा समृद्ध होता है, क्योंकि समाजीकरण का कार्य मातृभाषा अथवा परिवार एवं पड़ोस की भाषा में होता है। यह एक स्थापित बिंदु है कि बच्चों के पास भाषाओं को सीखने की जन्मजात क्षमता होती है, अतः राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 में विद्यालयी शिक्षा के प्रारंभिक दिनों (आधारभूत चरण) में शिक्षा हेतु माध्यम के रूप में मातृभाषा के उपयोग और मातृभाषा-आधारित शिक्षा पर अत्यधिक बल दिया गया है।

विद्यालयों में बच्चों की मातृभाषा की उपलब्धता को सुनिश्चित करना और यह देखना कि बच्चे किसी अपरिचित भाषा में शिक्षा-प्राप्ति के भय से मुक्त हों-ये किसी भी सफल शिक्षा-व्यवस्था के शाश्वत सिद्धांत हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भाषा खंड को '*बहुभाषिकता और भाषा की शक्ति*' का शीर्षक दिया गया है जो बहुत ही सटीक है तथा यह विद्यालयी शिक्षा में सभी भाषाओं के विकास के महत्व पर बल देता है। भारत सरकार देशभर में मातृभाषा-आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है और विभिन्न पहलों एवं परियोजनाओं के माध्यम से इसे लागू करने हेतु सतत प्रयास कर रही है। बच्चों की घर की भाषा में शिक्षा की यह मज़बूत नींव न केवल भविष्य में विद्यालय एवं उच्चतर शिक्षा को सबल बनाने में सहायक होगी बल्कि इसका एक उद्देश्य यह भी है कि बच्चे अन्य भाषाओं को सीखने के लिए भी प्रेरित हों।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) एवं भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) द्वारा संयुक्त रूप से तैयार प्रवेशिकाओं) प्राइमरों(का लक्ष्य छोटे बच्चों या अन्य भाषा सीखने वाले किसी अन्य व्यक्ति को मुद्रित एवं दृश्य माध्यम से भाषाओं से सुपरिचित बनाना है। इन प्रवेशिकाओं का विकास विलुप्ति का खतरा झेल रही अनेक भाषाओं के दस्तावेजीकरण के प्रयासों में भी अपना योगदान दे रहा है। अतः भाषाओं का संरक्षण और विकास करना तथा सभी भाषाओं को विद्यालय में लाकर विद्यालयी शिक्षा, विशेषकर इसके निर्माणात्मक वर्षों को समावेशी बनाना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। कहने की आवश्यकता नहीं कि यह भारतीय संविधान की समानाधिकारवादी लोकतंत्र की आत्मा के अनुरूप है और प्रत्येक समुदाय एवं व्यक्ति के भाषिक अधिकारों का सुदृढ़ीकरण है। मुझे विश्वास है कि ये पुस्तिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित बहुभाषिक शिक्षा की अवधारणा को प्रोत्साहन प्रदान करेंगी। साथ ही अनेक जनजातीय, अल्पसंख्यक एवं अल्पप्रयुक्त भाषाओं में अंतर्वस्तु के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी तथा एनसीईआरटी द्वारा आधारभूत चरण हेतु विकसित अन्य सामग्रियों, जैसे- बालवाटिका, विद्या प्रवेश आदि के लिए सहायक सामग्री का कार्य करेंगी। शिक्षकों, अभिभावकों एवं बच्चों की शिक्षा के लिए कार्य करने वाले शिक्षाविदों के हाथों में इन प्रवेशिकाओं को देते हुए मैं माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी का उनके प्रेरणादायक मार्गदर्शन के लिए अनुगृहीत हूँ। मैं इन प्रवेशिकाओं के सफल विकास एवं प्रकाशन हेतु गठित समिति के कार्यकारी समूहों के अध्यक्षों, सदस्यों तथा समन्वयकों को भी धन्यवाद देता हूँ। मैं आशा करता हूँ कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार; एनसीईआरटी एवं सीआईआईएल का यह संयुक्त प्रयास मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा के उत्थान हेतु राज्यों एवं शिक्षा के अभिकरणों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा और बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहन देने वाले एक राष्ट्रीय अभियान का रूप लेगा ताकि अपनी मातृभाषा का एवं अपनी मातृभाषा में अध्ययन करने के हर विद्यार्थी के अधिकार की रक्षा हो सके।

मार्च, 2024
नई दिल्ली

प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली

भूमिका / Introduction

भारत सदियों से एक बहुभाषिक देश रहा है जहाँ कई भाषाएँ/मातृभाषाएँ बोली जाती हैं। यह देश की एक महत्वपूर्ण विशेषता है कि हम अपने दैनिक व्यवहार में कई भाषाओं का प्रयोग करते हैं जो हमें एक साथ बांधती हैं और एकजुट रखती हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में इस बात पर अत्याधिक बल दिया गया है कि भारत की बहुभाषिक प्रकृति एक बहुत बड़ी संपत्ति है जिसका देश के सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास के लिए कुशलतापूर्वक उपयोग करने की आवश्यकता है। यह शिक्षा में हर स्तर पर बहुभाषावाद को बढ़ावा देने की अनुशंसा करती है ताकि विद्यार्थियों को अपनी भाषाओं में अधययन करने का अवसर प्राप्त हो सके। सभी भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम सामग्री के सृजन से इस बहुभाषिक संपदा में वृद्धि होगी और इससे विकसित भारत के निर्माण में बेहतर योगदान हो सकेगा। एनईपी 2020 की अनुशंसाओं के अनुरूप, प्रारंभिक कक्षा की प्रवेशिकाओं के विकास के लिए एक व्यापक और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो भारत के प्रत्येक क्षेत्र की अनोखी भाषाई और सांस्कृतिक विशेषताओं के अनुरूप हो। इन प्रवेशिकाओं का उद्देश्य प्रारंभिक कक्षा के छात्रों को पढ़ने और लिखने में प्रवीणता प्रदान करना और उनकी रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना है। यह किसी भाषा के प्रतीकों और उसकी वर्णमाला के अक्षरों के बोध, अभिज्ञान एवं उच्चारण की कुंजी है। ये प्रवेशिकाएं बच्चों को इन अक्षरों के एक या एक से अधिक समुच्चयों के अर्थ से भी अवगत कराती हैं जो उनके संयोजनों जैसे, शब्द में उन अक्षरों की आरंभिक, माध्यमिक या अंतस्थ स्थिति से बनते हैं। इसके अतिरिक्त, ये बाद में बताए गये अक्षरों के लेखन के अभ्यास को सुगम बनाने हेतु उदाहरण प्रस्तुत करते हैं और ये शिशुगीत/छंद/तुकांत बच्चों की भाषा तथा उनके संज्ञानात्मक कौशलों के विकास में भी सहायक सिद्ध होगी।

Bharat has been a multilingual country for ages, with many languages spoken in different regions of the country. Using multiple languages in our verbal repertoire is a common characteristic of the country; it binds us together and keeps us united. National Education Policy (NEP) 2020 strongly emphasises the idea, that the multilingual nature of Bharat is a huge asset that needs to be utilized efficiently for the socio-cultural, economic, and educational development of the nation. It recommends the promotion of multilingualism in education at every level so that learners get the opportunity to study in their own language(s). The creation of teaching-learning material in all Bharatiya languages will thus boost this multilingual asset and allow it to make a better contribution to 'Viksit Bharat'. That said, developing early-grade primers in alignment with NEP 2020 requires a comprehensive and inclusive approach that addresses the unique linguistic and cultural characteristics of each region in India. These primers aim to provide not only language proficiency in reading and writing but also foster creativity and critical thinking among the early-stage learners. It is a key to pronouncing, recognizing, comprehending letters of the alphabet and symbols of a language. It also familiarizes children with the meaning of one or more sets of these letters made through their combinations such as letters in initial, medial and final positions of the word. Moreover, it provides examples that facilitate writing practice of the letters introduced later; and the rhymes will help students in their language development and cognitive skills.

मार्च, 2024
मैसूरु

प्रो. शैलेंद्र मोहन
निर्देशक
भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु

CIIL-NCERT Primer Series: Kuki Primer Development Team

Guidance

Dinesh Prasad Saklani, Director, NCERT, New Delhi
Shailendra Mohan, Director, CIIL, Mysuru
Chamu Krishna Shastry, Chairman, Bharatiya Bhasha Samiti (BBS), New Delhi

Advisors

Amarendra P. Behera, Joint Director, Central Institute of Educational Technology, NCERT, New Delhi
Ramanujam Meganathan, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Awadesh Kumar Mishra, Chief Coordinator (Academic), BBS, New Delhi
Sandhya Singh, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Mohd. Faruq Ansari, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Pankaj Dwivedi, Assistant Director (Admin) i/c, CIIL, Mysuru

Member Coordinator

Aleendra Brahma, Lecturer-cum-Junior Research Officer, CIIL, Mysuru

Resource Persons

Ngaineiting Baite, Junior Resource Person, Scheme for Protection and Preservation of Endangered Languages (SPPEL), CIIL, Mysuru
Nengcy Thomsong Gangte, Editorial Assistant, Bharatavani, CIIL, Mysuru

Design Team

Nandakumar L, JRP (Technical), National Translation Mission, CIIL, Mysuru
Jewsnrang Basumatary, Resource Person (Teaching) in Bodo, North Eastern Regional Language Centre, (CIIL), Guwahati
Saravanan A S, Graphic Editor, SPPEL, CIIL, Mysuru
Shwetha K, Artist, Bharatavani, CIIL, Mysuru
Puttaraju K, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru
Shobharani B, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru
G. Yuvaraj, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru

We sincerely acknowledge the copyright holders of the pictures used in this primer, anonymously and we also declare that the pictures are used for purely educational purposes only.

HOW TO USE KUKI PRIMER

The National Education Policy 2020 and the National Curriculum Framework, 2022, focus on the importance of imparting education to children aged three to eight years, in their mother tongue, home language, local language and regional language. This primer has been specially designed and prepared for the development of oral language of children and to ensure that a child understands, learns and communicates without any hesitation. To enhance children's oral language skills, short songs or rhymes consisting of two to three sentences have been included in each of the individual letter lessons. Teachers can engage children in discussions by singing and reading these songs or rhymes aloud. Keeping in mind the three language formula, and India being a linguistically diverse country, this primer also helps children in learning words not only in their mother tongue but also gets familiarise with another language. For example, the word **Phatvet** in Kuki is translated into English as **Mirro**r. This enables children to enhance their knowledge and at the same time, accept about India and its diversity from their tender age. Apart from language learning, this book also introduces sounds, alphabets, reading and writing practice for the children.

Sound Introduction: Children will observe each picture and identify the corresponding object by name. Teachers will prompt students to identify the initial sound of the word associated with the picture. For instance, when presented with the picture 'Ahtui', children will recognize that it begins with the 'A' sound.

Letter Introduction: Initially, the teacher will introduce the letter 'A' by showing children its visual representation. Students will then be prompted to locate the letter 'A' within a set of given words. Following this, children will pronounce the sound associated with the letter 'A' in three to four words and engage in handwriting practice to familiarise themselves with writing the letter 'A'.

Reading: Children will speak words in their own language by looking at pictures. They will learn to read words like **Ahtui** by moving their finger from left to right across the word. Through practicing with various words containing the letter 'A', children will develop the ability to recognise and pronounce the 'A' sound. The teacher will guide students to identify instances of the letter 'A' at the initial, the medial, and the final positions of words, enhancing their understanding of its placement within word structures.

The teacher will display the letter 'A' on the board and write the word **Ahtui** along with three to four other words. Each child will be called upon one by one. These words taken from children's familiar contexts, will be used for reading and letter recognition exercises. Children will identify these words by associating them with pictures in the book. The teacher will write a word and prompt the children to read each letter individually, followed by reading the word as a whole by blending the letters together.

Writing: First, teachers will instruct children on how to write the letter 'A' in the word **Ahtui**. They will demonstrate the correct pen movement from left to right, top to bottom or vice-versa. This technique is known as 'supporting writing'. Subsequently, children will practice writing the letter 'A' independently in the provided blank space in the primer, using the alphabet as reference. Throughout this activity, teachers will provide guidance as children read and write.

Additionally, a teacher can read storybooks from the school library and discuss the stories using language that children can easily understand. Children can better understand and will find it more interesting if stories and poems are narrated in their mother tongue. The words provided in the book are simply illustrations of literacy, as children are already familiar with hundreds of words. By presenting a single-letter word, children can easily recall numerous related words. (For example, recite some words starting with 'A').

Anoija kijih hi ven lang, mun kipe lai hin jih in :

Adinga kai di :

Avai-a kai di :

A on a kai di 1 :

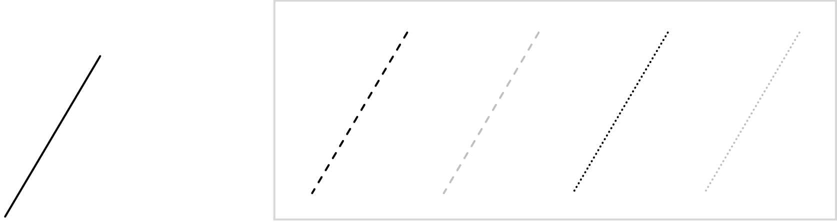

A on a kai di 2 :

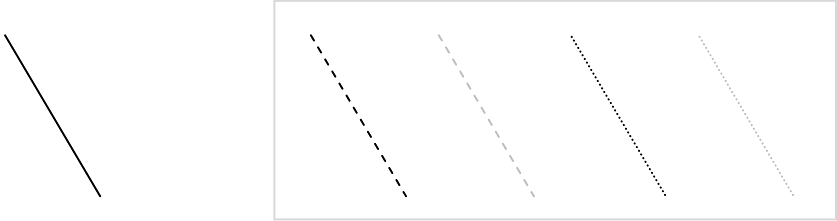

Jet kool di :

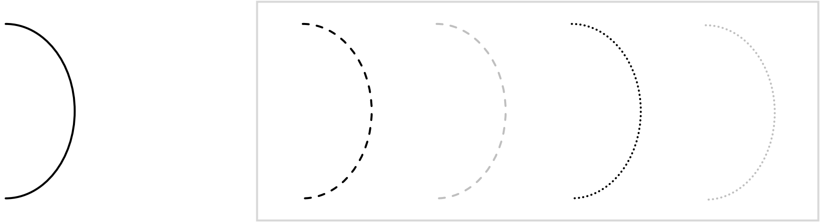

Vei kool di :

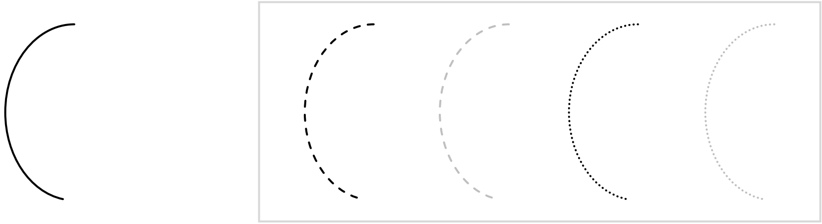

Hetding: Simlai chapang ho pen (pencil) tuhje le mun ong kipelai-a jihje Jilkung in ahilding ahi.

CHANGA GINGTHEILOU JEM
(Consonant Letters)

JEMPI
(Capital Letters)

P	PH	B	T	TH	D
K	KH	G	M	N	NG
V	S	J	H	L	LH

CH

JEMNGAAT
(Small Letters)

p	ph	b	t	th	d
k	kh	g	m	n	ng
v	s	j	h	l	lh

ch

CHANGA GINGTHEI JEM

(Vowel Letters)

JEMPI

(Capital Letters)

A AA I II U UU

E EE O OO

JEMNGAAT

(Small Letters)

a aa i ii u uu

e ee o oo

Hetding: Jem ni kigom hohi paocheng ki kaisao-a manding ahi.

PH

PHATVET

Mirror

Phatvet phatvet
Kahoi hinam?
Seijin seijin
Kahoi hinam?

Phailei	Uphoh	Kolphe
Paddy field	Toad	Lightning

PH PH PH

B

BIL

Ear

Bil a kikhai bilba
Kijep hoina bilba
Jatchom chom bilba
Mi hoisah chom bilba.

Bilba
Traditional earring

Leibel
Earthen pitcher

Kolbu
Maize

B	B	B	

T

TIN

Nail

Tin tanchom ji-in
Thengset set in koi ji-in
Tinpe hi umchan hoilou ahin
Tin nen nehkhah jong dammo na thei ahi.

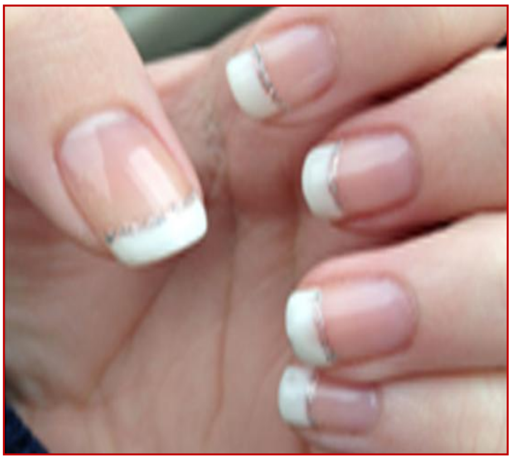

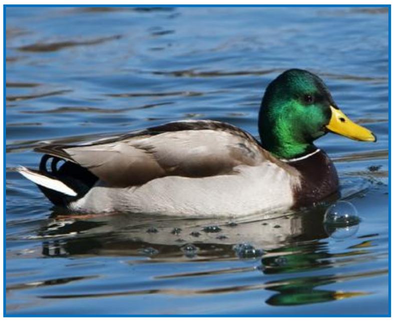

Toka	Pumton	Vatot
Pant	Guava	Duck

T T T

TH

THOUSI

Housefly

Mathe o hung hung
Mathe o hung hung
Alen chacha hung-un lang
Aneo cha cha'n kumkho hin-ngah tadi nante.

Thingkhong	Mathe	Lengthei
Wooden box	April green cicada	Pineapple

TH TH TH

D

DAHPI

Gong

Dong....dong...dong....
Dahpi dahcha aging-e
Khaiye chaangvaaiyin cheute
Sa gakaap-utin, salu aaiyute
Golnop ni ahunglhung tai
Dong...dong...dong....

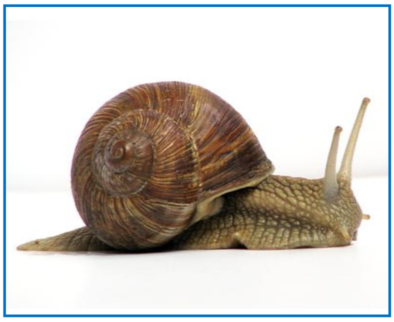

Dol	Dehpaang	Dahdeeng
Taro leaf	Forehead	Snail

D D D

K

KAM

Mouth

Sakol kangtalai
Alengthei ahi hungtou-in
Vanthamjol a galeng hite
Sakol kangtalai-a.

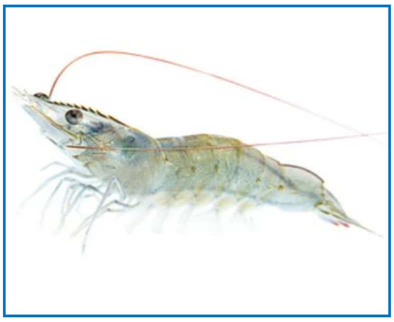

Kaikong
Prawn

Sakol
Horse

Chaokool
Traditional bangle

K K K

KH

KHUT

Hand

Khut pah nga aum-e
Khutpi, khutchal,
Khutlai, khut me-u,
Khut mecha.

Khongbai	Theikha	Khaokho
Giant burrow cricket	Plum	Grasshopper

KH KH KH

G

Godaal

Winnowing basket

Go o ju ju
Kolbu changmai keh nante
Go o ju ju.

Go	Khaga	Lhagui
Rain	Walnut	Rainbow

G G G

M

MIT

Eye

Mit hi tibah khat ahi
Mit in kho eimusah uve
Mitphet hin mit asutheng jin
Mitmul in mit ahooibit ji-e.

Malchapom	Gammaang	Maimom
King chilli	Forest	Spider

M M M

N

NISA

Sun

Nisa'n vah le nilum eipeove
Solam-a nisa asoh in
Lhum lam'a alhumji-e
Nipi lai leh nikho asot-in
Phalbi leh nikho achom-e.

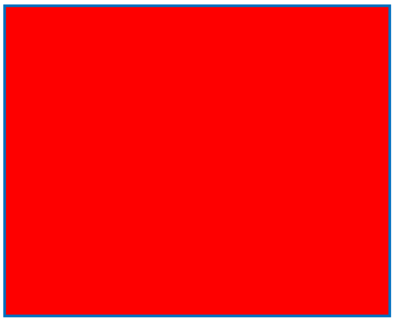

Nu	Bongnou	Asan
Mother	Calf	Red colour

N N N

NG

NGA

Fish

Thingphung phuh hih in
Thingphung in liim apei
Mihem, gancha chule ju le va ten
Thingphung liim angaichai.

Ngalpeng	Thingphung	Kaang
Shin	Tree	Box bean

NG NG NG

V

VAKHU

Spotted dove

Van na vakhu leng
Vacha lah a nunnom
Hungin hung lengin
Kooru..kooru... tin
Hung ham kit-in.

Vohcha	Kongvang	Pahvui
Pig	A traditional basket	Garland

V V V

S

SIHMI

Ant

Sihmi akijot ui
Alen aneo asan avom
Choltih neilou-a tong jing
Sihmi bangin pontho'n

Sumkon	Sinkhup	Sangongsao
Trumpet	A traditional basket	Giraffe

S S S

J

JUCHA

Rat

Inning inkah a vah lele Jucha
Thil le lo chipse se jeng Jucha
Mengcha haam ajah phat-in
Ajam mangtai Jucha.

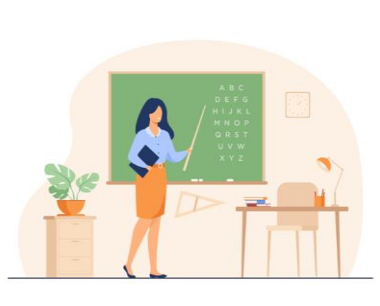

Jilkung	Jonglha	Thingjung
Teacher	Stinky bean	Roots

J J J

H

HEICHA

Axe

Keima humpi kahi
Ka pol-in, ka hang-e
Ka haam teng
Gamlah akithong-in
Gamsa ho akicha jiuve.

Humpi	Hamhing	Lukhuh
Tiger	Green grass	Hat/Cap

H	H	H	

L

LUCHANG

Head

Lu lengkou khup kengphang
khup kengphang, khup
kengphang
Lu lengkou khup khengphang
Bil mit kam le nah

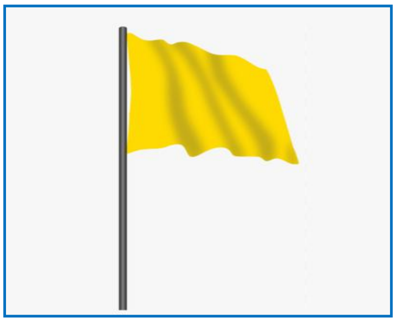

Lengpa	Ponlaap	Ponsil
King	Flag	Shawl

L L L

LH

LHA

Moon

Lha avah e...!
Lhavah a kichep anom-e
Lhavah a kholai len anom-e
Lhavah a Khongbai te jong a laam laam jeng-ui.

Lhaitet

Running race

Khalhei

Wooden spoon

Kailhaang

Market

LH LH LH

CH

CHEMCHA

Knife

Chemtatpun chem ataat-e
Ache che nan chemlong apo-e
Chemlonga chem akikhai-e
Achem aheem-a heem ahi.

Chaang	Chemlong	Kolchu
Paddy	Machete holder	Sugarcane

CH CH CH

A

AHTUI

Egg

Ahpi a kon a ahtui
Ahtui a kon a ahnou
Ahnou ahunglet teng
Ahpi ahilou le ahchal
Abon in ahcha akiti-e.

Ai-eng	Kungkal	Ahsi
Turmeric	High jump	Star

A A A

AA

AAI

Crab

Keima aai kahi
Keng som kaneiye
Asih in ka vah in
Ka kengpi in mi kachep ji-e.

Baang
Wall

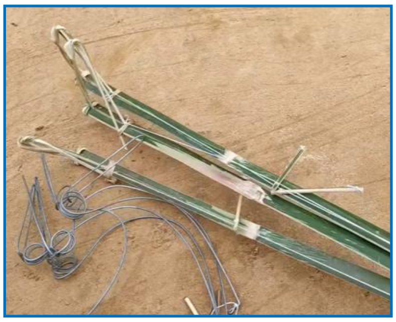

Thaang
Trap

Paa
Mushroom

AA AA AA

I

IN

House

In chenna dinga kisa ahi
In liim choldo na ahi
In jatchom chom aum-e
Bi-in, thing-in, lei-in chule song-in ahi.

Inva	Khichong	Theimi
House sparrow	Traditional necklace	Mulberry

I	I	I	

II

THIING

Ginger

Tiing gamlah a akimu-e
Tiingdon nehthei ahi
Tiing apan na atam-e
Tiing a konna insung
manchah tampi akisem thei-e.

Diip	Tiing	Liim
Chest	Cane	Shade

II II II

U

UKENG

Frog

Imut vah hi aphai
Imut vah a thovah hi
Tahsa damthei na ahin
Haosat na le chih na jong ahi.

Umthei	Imut	Vadung
Bottle gourd pitcher	Sleep	River

U U U

UU

GUUL

Snake

Guul a op ma a kitholji-e
Gu anei vangin keng aneipoi
Guul in mi achuh teng
Akamma konnin aguu
ahungpot ji-e.

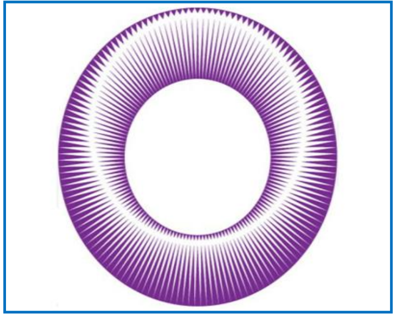

Khuut	Luum	Kuun
Cough	Round	Bend

UU UU UU

E

ENG

Yellow or Green

Keipi keipi gamlah lengpa
Kave ngampoi na bahkai sao
I ati le na pumpi leen-a, na taai geng-a, na mei sao ham?
Nei seipeh in gamlah lengpa.

	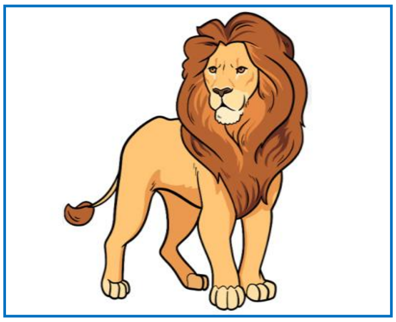	
Bengbit	Keipi	Gosem
A traditional Basket	Lion	Musical instrument

E E E

EE

EEM

Shine

Jing niso a eemsel tai
Hamhing ho khu ven
A theengsel-in, a engsel-ui
Khichang val lehleh bang-in
A jemhoiye jingkah daitwi-in.

Beeng	Leel	Geel
Cheek	A traditional basket	Hailstone

EE EE EE

O

OLE

Crocodile

Avom-a vom vompi
Alet-na leen vompi
Adu-a du khoiju
Adu-a du kolbu
A imut na imutdu phalbi le
Avom-a vom jeng vompi.

Namkol

Traditional yoke

Vompi

Black bear

Boitong

Traditional men shirt

O O O

OO

OOMPHO

Armour

Galngam gaal a konne
Oompho aki-ah-e
A gaal ten tengcha ahin kho-e
Oompho jeh in galngam a sohcha-e.

Khoong	Doop	Changphool
Drum	Bamboo mat for drying	Paddy threshing floor

OO	OO	OO	

JAATSIM (Counting)		
1	KHAT	
2	NI	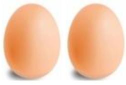
3	THUM	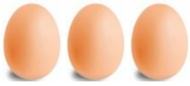
4	LI	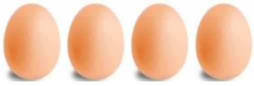
5	NGA	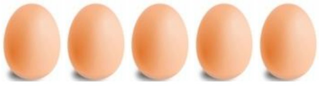
6	GUUP	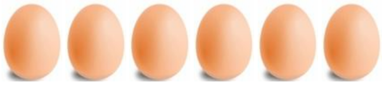
7	SAGI	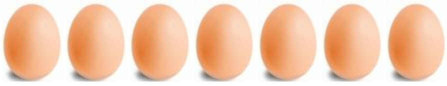
8	GEET	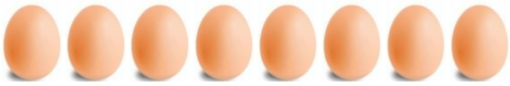
9	KO	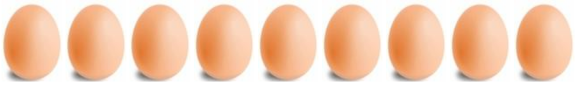
10	SOM	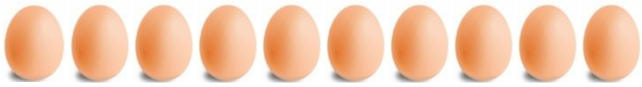

11	SOM-LE-KHAT	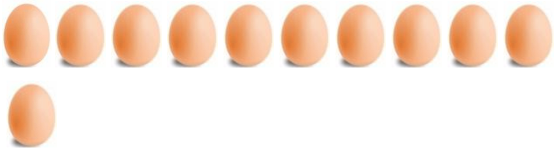
12	SOM-LE-NI	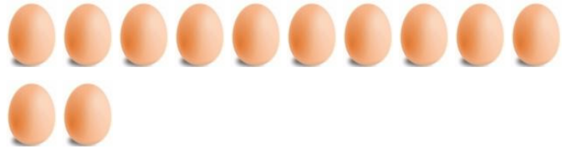
13	SOM-LE-THUM	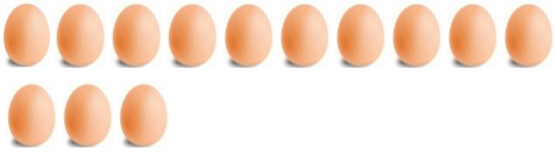
14	SOM-LE-LI	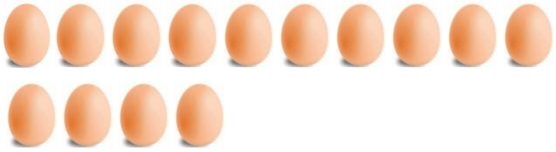
15	SOM-LE-NGA	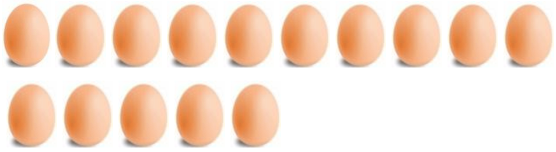
16	SOM-LE-GUUP	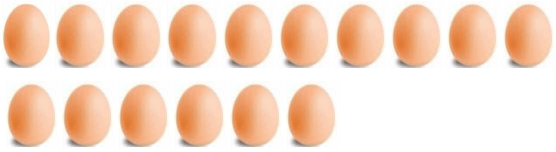
17	SOM-LE-SAGI	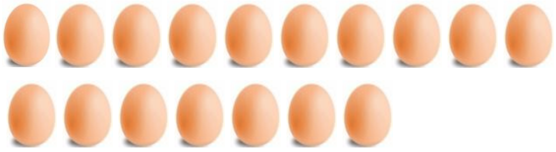
18	SOM-LE-GEET	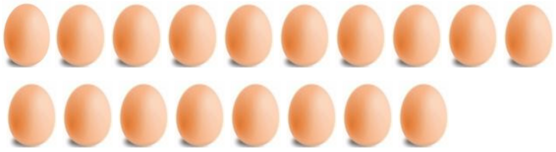
19	SOM-LE-KO	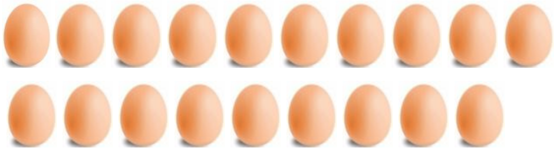
20	SOMNI	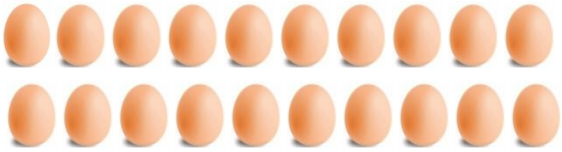

A NOIJA KIJIH HO BANGIN JIH IN :				
1	1	1	1	
2	2	2	2	
3	3	3	3	
4	4	4	4	
5	5	5	5	
6	6	6	6	
7	7	7	7	
8	8	8	8	
9	9	9	9	
10	10	10	10	

11	11	11	11	
12	12	12	12	
13	13	13	13	
14	14	14	14	
15	15	15	15	
16	16	16	16	
17	17	17	17	
18	18	18	18	
19	19	19	19	
20	20	20	20	

SAP PAO JEM

(English Alphabet)

JEMPI

(Capital Letters)

A	B	C	D	E	F
G	H	I	J	K	L
M	N	O	P	Q	R
S	T	U	V	W	X
		Y	Z		

JEMNGAAT

(Small Letters)

a	b	c	d	e	f
g	h	i	j	k	l
m	n	o	p	q	r
s	t	u	v	w	x
		y	z		

ePathshala

Step-by-Step guide for users to access e-resources linked to QR Codes

The coded box placed on the first page of every chapter is called quick Response (QR) Code. It will help you to access e-resources such as audios, videos, multi-media, texts, etc. related to themes given in the chapter. The first QR code is to access the complete e-textbook. The subsequent QR codes will help you access the relevant e-resources linked to each chapter. This will help you enhance your learning in a joyful manner.

Follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using ePathshala

1	2	3	4	5
Install ePathshala Scanner app from Play Store and open	Get ready with QR code scanning window	Place scanner above the QR code	Select and click on the link	Use available e-Resource

For accessing the e-Resources using e-Pathshala on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to https://epathshala.nic.in/topics.php and enter the alphanumeric code given below the QR code

DIKSHA

Download **DIKSHA** app from Google Playstore and follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using **DIKSHA**

1	2	3	4	5	6
Select preferred language	Choose your role: Student or Teacher	Grant access and allow app permissions	Tap to scan the QR code	Focus camera on the QR code in textbook	Click to Play QR code specific e-resource(s)

For accessing the e-Resources using DIKSHA on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to https://diksha.gov.in/resources and enter the alphanumeric code given under the QR code

PREPARATION OF BILINGUAL PRIMERS (EARLY GRADE) FOR BHARATIYA LANGUAGES JOINTLY BY CIIL & NCERT (Phase-1)

SCHEDULED LANGUAGES

Sl. No.	Languages	Sl. No.	Languages	Sl. No.	Languages
1	ASSAMESE	9	KONKANI	17	SANSKRIT
2	BENGALI	10	MAITHILI	18	SANTALI
3	BODO	11	MALAYALAM	19	SINDHI
4	DOGRI	12	MANIPURI	20	TAMIL
5	GUJARATI	13	MARATHI	21	TELUGU
6	HINDI	14	NEPALI	22	URDU
7	KANNADA	15	ODIA		
8	KASHMIRI	16	PUNJABI		

NON - SCHEDULED LANGUAGES

Sl. No.	Languages	Sl. No.	Languages	Sl. No.	Languages
1	ADI	20	KINNAURI	39	MISING
2	ANAL	21	KISAN (KUNHU)	40	MIZO
3	ANGAMI	22	KODAVA	41	MOGH
4	AO	23	KOKBOROK	42	MUNDARI
5	BHILI (VASAVA)	24	KOLAMI	43	NYISHI (NISSI)
6	BHUTIA	25	KONDA	44	RABHA
7	BISHNUPRIYA MANIPURI	26	KORKU	45	RAI
8	DEORI	27	KORWA	46	SHERPA
9	DIMASA	28	KOYA	47	SAVARA (SORA)
10	GADABA (GUTOB)	29	KUI	48	SÜMI (SEMA)
11	GARO	30	KUKI	49	TAMANG
12	HALBI	31	KURUKH	50	TANGKHUL
13	HMAR	32	KUZHALE (KHEZHA)	51	TANGSA
14	JATAPU (KUVI)	33	LEPCHA	52	TIWA (LALUNG)
15	JUANG	34	LIANGMAI	53	TULU
16	KABUI	35	LIMBU	54	WANCHO
17	KARBI	36	LOTHA		
18	KHANDESHI	37	MAO		
19	KHARIA	38	MISHMI (IDU)		

भारतीय भाषा संस्थान
Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
0821 2515820 (Director) / ada-ciilmys@gov.in

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
011 2696 2580 / dceta.ncert@nic.in